Fin 8. How the policies related to Financial management should be formed?

८. वित्त व्यवस्थापन संबंधी निती नियम किस तरह के होने चाहिये ?

अगर हम ऐसे नियम बनाऐ की जिनके अनुसार काम करना मुमकीन ही नही है तो ये नियम तोडे ही जाऐंगे। इसलिये अपने नियमोंके बारे मे सोचीऐ-इससे भी आप कुछ जान सकते हो. वित्त व्यवस्थापन संबंधी नियमोंने कुछ महत्त्वपूर्ण बातों के लिए नियम बनाना जरुरी है।

१. सामान खरीदने के बारे मे नियम तय करना। कोटेशन लेने या न लेने के बारे मे नियम तय करना। ये नियम बनाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना पडेगा।

- हम कौनसी चीजों का कोटेशन लेंगे ? कितने रुपये तक की खरीदारी के लिये कोटेशन जरूरी नही है ?
- क्या हमारी संस्था हर महिने मे बहुत सामान खरीदती है ? जैसे कि दवाइयाँ वगैरा
- क्या हम एक बार कोटेशन्स माँगके सुनिश्चित समय के लिये सप्लायर चुन सकते है
- क्या संस्था को वित्त समिती का गठन करने की जरूरत है
- खरीदे हुए सामान के क्वालिटी कंट्रोल के लिये क्या हमे किसी पर जिम्मेदारी सोंपना जरूरी है

२. कॅश बेसिस और ॲक्युरल बेसिस दोनो तरह के अकाउंटस् रखने चाहिये.

३. कॅश पेमेंट की मर्यादा तय करना जरूरी है लेकिन ये बात हालात पर निर्भर होगी

- अगर संस्था मुंबई या किसी शहर मे काम करती है तो चेक का इस्तेमाल करना सुलभ होगा। लेकिन किसी छोटे गाँव मे या आदिवासी क्षेत्र में काम करनेवाली संस्था हमेशा चेक से काम नही चला सकती
- आपात्कालिन परीस्थिती मे भी हमेशा चेक का इस्तेमाल करना मुमकिन नही होगा।

४. ॲसेटस् खरीदने के नियम तय करना

- अगर हम संस्था के लिये ॲसेट्स (संपत्ती) खरीद रहे है तो कोटेशन्स लेना सही होगा। क्यूं की हम बार बार ॲसेट्स नही खरीदते.

५. कार्यकर्ताओंके वेतन, प्रवास खर्चा और बाकी सुविधाए सुनिश्चित करना.

- संस्था मे ट्रॅव्हल संबंधी नियम होना जरूरी है। कौनसे लेव्हल के व्यक्ती को क्या सुविधा मिलेगी ये सुस्पष्ट होना जरूरी है।
- तनख्वाह, इन्कीमेंट, पी एफ् या अन्य सुविधा, छुटीयाँ इनके बारे मे भी सुस्पष्टता होनी चाहिये.